पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने गणेशोत्सव में आरती एवं दर्शन किए
गणपति के सामने स्वराज को सुराज में परिवर्तित करने का संकल्प लें - श्री नाईक

लखनऊः 26 अगस्त, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज श्री गणपति उत्सव मण्डल आलमबाग द्वारा आयोजित गणपति उत्सव तथा श्री कल्लीराम मंदिर ट्रस्ट चैक में मराठी समाज द्वारा आयोजित गणशोत्सव में सम्मिलित होकर आरती एवं दर्शन किए। इस अवसर पर श्री कल्लीराम मंदिर ट्रस्ट चैक में आयोजन समिति के पदाधिकारियों के साथ पूर्व सांसद श्री लालजी टण्डन, विधायक श्री नीरज बोरा, पूर्व विधायक श्री सुरेश चन्द्र तिवारी सहित अन्य श्रद्धालुजन भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने मराठी समाज के कार्यक्रम में अपना सम्बोधन मराठी भाषा में देते हुए कहा कि गणपति का भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व है। वे विद्या के देवता है। गणपति के नाम से पढ़ाई-लिखाई शुरू होती है। विद्या के देवता के साथ-साथ वे विघ्नहर्ता भी है जो संकट दूर करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी भी मान्यता है कि उनके पूजन से मंगल कार्य आरम्भ होता है इसलिये उन्हें मंगलमूर्ति भी कहते हैं।

श्री नाईक ने कहा कि लोकमान्य तिलक ने गणपति उत्सव तथा शिवाजी जयंती को सार्वजनिक रूप से प्रतिष्ठित किया। उनका मानना था कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से स्वराज के लिए भारतवासियों को जागरूक किया जा सकता है। देश को आजाद हुए 70 वर्ष हो गए हैं। हमें यह आंकलन करना है कि 70 वर्ष में हमने क्या पाया, क्या खोया। गणपति के सामने हमें संकल्प लेना चाहिए कि स्वराज को सुराज में परिवर्तित करें। उन्होंने कहा कि गणपति उत्सव का यही लक्ष्य और संदेश है।

राज्यपाल ने कहा कि मुंबई में गणपति पूजन के विशेष आयोजन होते हैं। धीरे-धीरे यह उत्सव पूरे देश में आयोजित होने लगा है। जैसे मुंबई में उत्तर प्रदेश के लोगों ने रामलीला का शुभारम्भ किया, उसी तरह महाराष्ट्रवासी जो उत्तर प्रदेश में रहते हैं बड़े पैमाने पर गणपित पूजा का आयोजन करते हैं। मराठी भाषियों के बीच रामलीला और हिन्दी भाषियों के मध्य गणेश उत्सव इस बात का संदेश देता है कि भाषायें एक-दूसरे को जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि वास्तव में खुशियाँ बाटने से बढ़ती हैं और दुःख बाटने से कम होता है।

कार्यक्रम में श्री लालजी टण्डन, श्री नीरज बोरा तथा श्री संतोष पाटील ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर राज्यपाल सहित अन्य विशिष्ट लोगों को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।

अंजुम/ललित/राजभवन (321/37)

आलमबाग का
मण्डल
2017